

## पीलिया दवाई - चन्ना, मुरमुरा।

पिलिया यकृत के कोशिका में सुजन से होथ। कोशिका शक्कर से भरल होईत रोगी जल्दी ठीक होय जाथ। पथ्य से रोगी बुखा रहथ अऊर ऐसे बीमारी अऊर बढ़थं।

खाना से शक्कर तैयार होईके यकृत में जमा होथ। खाएक मन होईत अक्षयपात्र से चन्ना, मुरमुरा, दिनभर खात रहय से पीलिया रोगी जल्दी से जल्दी ठीक होय जाथ। ऐसे ओकर वजन भी कम नाय होत।

पिलिया होव्यपे रोगी क वजन कुछ होयजाथ। पीलिया रोगी के संबंध में हमार सक्कर अनुभव बा की, पीलिया क रोगी अगर दिना भर चन्ना, मुरमुरा, अऊर फल पर्याप्त मात्रा में खाईत रोगी क वजन कम होव्यक डर नाय रहत। ऐतनय नाही मुरमुरा ही ओकर उलाज बा।

ई साल पीलिया भयल 25



लडि

क्यन ज्यादा अक्षयपात्र क खाना खाएसे ओकर प्रभाव 1 से 3 हफता में निम्नलिखित लक्षण में दिखाय पडलं।

1) एक दिना में ही उल्टी अऊर डकार आऊब बंद होथ गयलं।

3) एक हफता में रोगी क भूख लगय में वृद्धि भयलं अऊर एक से तीन हफता में वजन बढ़ गयलं।

3) खून के सिरम से बिलीरुबीन अऊर एम.जी. पी.टी.

विषमज्वर, कीडा आदि रोग क जन्तु अऊर ओकर अंडा रोगी क मल होथ। शौच के बाद अच्छेसे हाथ धोव्यं अऊर अईसन व्यक्ती अगर फल, सब्जी, खाना वगैरे के हाथ लगाऐस अऊर उह्य सब आपन सभे खाऐत अपने के भी दस्त, विषमज्वर, कृमि आदी होय सकथ।

ऐसे कईसे बचयं :-  
साफ नमक के पानी में घोल में रखयं। फल सब्जी पानी में डुब जाय ईतना पानी रखयं। एक लिटर पानी में 9 चम्मच नमक डालके ई घोल तईयार करयं। ऐप्पा किहलं गयलं प्रयोग मुताबीक ई सिद्ध (साबीत) होय गयलं बा की अगर ई नमक के घोल में फल- सब्जी रख दिहल जाईत ओप्पा मौजूद अमिबा अऊर अन्य जन्तु तुरंत मर जायेनं। ऐकरे बाद फल-

एन्जाईम एक हफ्ता में ही कम होव्य लगा।



सब्जी सादा पानी से धोयलेयं। धोव्यसे कृमि क अन्डा, अऊर गन्दगी अऊर नमक ऐसे धुल जाथ।

1) घरे के बहरे खाना न खाऐके चाही।

2) बहरे पानी पिययके होईत नलेक पिययके चाही।

1) घरे में लियावल फल, सब्जी, साग धोईके टाईफाईड क बैक्टेरिया मायक्रोस्कोप (सुक्ष्म दर्शक) के निचे अईसन दिखथ।

अपने डॉक्टर के लॅबरोटरीमें बिन्ती कर अऊर देख।